प्रथम सत्र परीक्षा (2021-2022)

VV-300

परीक्षा क्रमांक :	कक्षा : 12 वी	समय : 3 घंटे
दिनांक :	विषय : हिंदी	अंक : 80

विभाग 1 : गद्य विभाग (20 अंक)

प्र. 1 अ) गद्यांश पढकर सूचना के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए । **6**

प्रभात का समय था, आसमान से बरसती हुई प्रकाश की किरणें संसार पर नवीन जीवन की वर्षा कर रही थीं । बारह घंटों के लगातार संग्राम के बाद प्रकाशन ने अँधेरे पर विजय पाई थी । इस खुशी में फूल झूम रहे थे, पक्षी मीठे गीत गा रहे थे, पेड़ों की शाखाएँ खेलती थी. और पत्ते तालियाँ बजाते थे । चारों तरफ खुशियाँ झूमती थीं । चारों तरफ गीत गूँजते थे । इतने में साधुओं की एक मंडली शहर के अंदर दाखिल हुई । उनका खयाल था – मन बड़ा चंचल है । अगर इसे काम न हो, तो इधर – उधर भटकने लगता है और अपने स्वामी को विनाश की खाई में गिराकर नष्ट कर डालता है । इसे भक्ति की जंजीरों से जकड़ देना चाहिए । साधु गाते थे –

सुमर–सुमर भगवान को,
मूरख मत खाली छोड़ इस मन को ।

जब संसार को त्याग चुके थे, उन्हें सुर–ताल की क्या परवाह थी । कोई ऊँचे स्वर में गाता था, कोई मुँह में गुनगुनाता था । और लोग क्या कहते हैं, इन्हें इसकी जरा भी चिंता न थी । ये अपने राग में मगन थे कि सिपाहियों ने आकर घेर लिया और हथकड़ियाँ लगाकर अकबर बादशाह के दरबार को ले चले ।

यह वह समय था जब भारत में अकबर की तूती बोलती थी और उसके मशहूर रागी तानसेन ने यह कानून बनवा दिया था कि जो आदमी रागविद्या में उसकी बराबरी न कर सके, वह आगरे की सीमा में गीत न गाए और जो गाए, उसे मौत की सजा दी जाए । बेचारे बनवासी साधुओं को पता नहीं था परंतु अज्ञान भी अपराध है । मुकदमा दरबार में पेश हुआ । तानसेन ने रागविद्या के कुछ प्रश्न किए । साधु उत्तर में मुँह ताकने लगे । अकबर के होंठ हिले और सभी साधु तानसेन की दया पर छोड़ दिए गए ।

दया निर्बल थी, वह इतना भार सहन न कर सकी । मृत्युदंड की आज्ञा हुई । केवल एक दस वर्ष का बच्चा छोड़ा गया – बच्चा है, इसका दोष नहीं । यदि है भी तो क्षमा के योग्य है ।

1. संजाल पूर्ण कीजिए । **2**

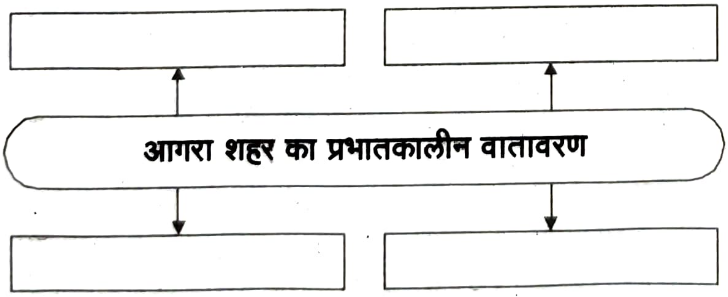

2. निम्नलिखित शब्दों के लिंग बदलकर लिखिए । **2**

i) पत्ते – .... ii) स्वामी – ....

iii) राग – .... iv) आदमी – ....

3. साधु–संतों को राग विद्या की जानकारी न होने के कारण मौत की सजा दिया जाना क्या उचित है ? इस विषय पर 40 से 50 शब्दों में अपने विचार लिखिए । **2**

(पिछे देखो)

ई) एक वाक्य में उत्तर लिखिए : (4 में से 2) [2]

1. सुदर्शन जी का मूल नाम ।
2. कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर' जी के निबंध संग्रहों के नाम लिखिए ।
3. आशारानी व्होरा की रचनाएँ ।
4. सुदर्शन जी की प्रमुख कृतियाँ ।

विभाग 2 : पद्य (20 अंक)

प्र. 2 अ) पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए : [6]

तुमने विश्वास दिया है मुझको,
मन का उच्छ्वास दिया है मुझको ।
मैं इसे भूमि पर सँभालूँगा,
तुमने आकाश दिया है मुझको ।
सूत्र यह तोड़ नहीं सकते हैं,
तोड़कर जोड़ नहीं सकते हैं ।

व्योम में जाएँ, कहीं भी उड़ जाएँ,
भूमि को छोड़ नहीं सकते हैं ।
सत्य है, राह में अँधेरा है,
रोक देने के लिए घेरा है ।
काम भी और तुम करोगे क्या,
बढ़ चलो, सामने अँधेरा है ।

1. आकृति पूर्ण कीजिए :

i) **कवि को प्राप्त हुए हैं जो, वे –** → [ ] → [ ] → [**आकाश**] 1

ii) **सूत्र यह नहीं कर सकते –** → [ ] → [ ] 1

2) i) निम्नलिखित शब्दों के शब्द युग्म बनाकर लिखिए। 1

i) तोड़ – .... ii) काम – ....

ii) निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए । 1

i) विश्वास x .... ii) अँधेरा x ....

3) 'धरती से जुड़ा रहकर ही मनुष्य अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकता है' इस विषय पर 40 से 50 शब्दों में अपना मत प्रकट कीजिए । 2

विभाग 3 : विशेष अध्ययन (अंक 10)

प्र. 3 अ) निम्नलिखित काव्य पंक्तियों को पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए : 6

कर्म, स्वधर्म, निर्णय, दायित्व,
शब्द, शब्द, शब्द ....
मेरे लिए नितांत अर्थहीन हैं –
मैं इन सबके परे अपलक तुम्हें देख रही हूँ
हर शब्द को अँजुरी बनाकर
बूँद–बूँद तुम्हें पी रही हूँ
और तुम्हारा तेज
मेरे जिस्म के एक–एक मूर्च्छित संवेदन को
धधका रहा है
    और तुम्हारे जादू भरे होंठों से
    रजनीगंधा के फूलों की तरह टप–टप शब्द झर रहे हैं
    एक के बाद एक के बाद एक ....
कर्म, स्वधर्म, निर्णय, दायित्व......
मुझ तक आते–आते सब बदल गए हैं
मुझे सुन पड़ता है केवल
राधन, राधन, राधन,
    शब्द, शब्द, शब्द
    तुम्हारे शब्द अगणित हैं कनु–संख्यातीत
    पर उनका अर्थ मात्र एक है –
मैं
मैं
केवल मैं !
    फिर उन शब्दों से
    मुझी को
    इतिहास कैस समझाओगे कनु?

1. संजाल पूर्ण कीजिए । 2

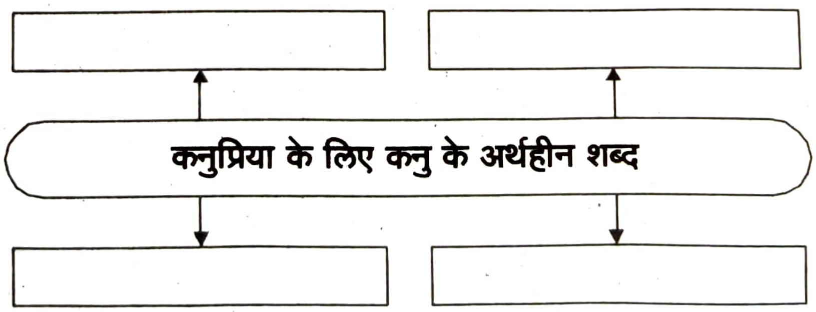

2. निम्नलिखित शब्दों के लिए पर्यायवाची शब्द लिखिए : 2

i) स्वधर्म – .... ii) दायित्व – ....

iii) अँजुरी – .... iv) संख्यातीत – ....

(पिछे देखो)

2

3. 'व्यक्ति को कर्म प्रधान होना चाहिए' इस विषय पर 40 से 50 शब्दों में अपना मत लिखिए । 4

आ) किसी एक का उत्तर 80 से 100 शब्दों में लिखिए । (2 में से 1)

1. 'कवि ने राधा के माध्यम से आधुनिक मानव की व्यथा को शब्दबद्ध किया है ।' इस कथन को स्पष्ट कीजिए ।
2. राधा के अनुसार युद्ध का अर्थ बताइए ।

विभाग 4 : व्यावहारिक हिंदी, अपठित गद्यांश और पारिभाषिक शब्दावली (अंक 20)

6

प्र. 4 **अ) निम्नलिखित का उत्तर लगभग 100 से 120 शब्दों में लिखिए :**

पल्लवन की विशेषताएँ स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

परिच्छेद पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए :

स्नेहा ने सभी पद दृष्टि घुमाई । एक क्षण के लिए रुकी । फिर बोलने लगी, ''फीचर के अनेक प्रकार हैं । उनमें मुख्य रूप से निम्नलिखित हैं :''

* व्यक्तिपरक फीचर * सूचनात्मक फीचर * विवरणात्मक फीचर * विश्लेषणात्मक फीचर * साक्षात्कार फीचर * विज्ञापन फीचर

''मैडम ! हम जानना चाहते हैं कि फीचर लेखन करते समय कौन-सी सावधानियाँ बरतनी चाहिए ?'' उसी विद्यार्थी ने जिज्ञासावश प्रश्न किया ।

''बड़ा ही सटीक और तर्कसंगत प्रश्न पूछा है आपने।'' अब स्नेहा ने इस विषय पर बोलना प्रारंभ किया –

* ''फीचर लेखन में मिथ्या आरोप-प्रत्यारोप करने से बचना चाहिए ।
* अति क्लिष्ट और आलंकारिक भाषा का प्रयोग बिलकुल भी न करें ।
* झूठे तथ्यात्मक आँकड़े, प्रसंग अथवा घटनाओं का उल्लेख करना उचित नहीं ।
* फीचर अति नाटकीयता से परिपूर्ण नहीं होना चाहिए ।
* फीचर लेखन में अति कल्पनाओं और हवाई बातों को स्थान देने से बचना चाहिए ।''

1. **आकृति पूर्ण कीजिए ।** 2

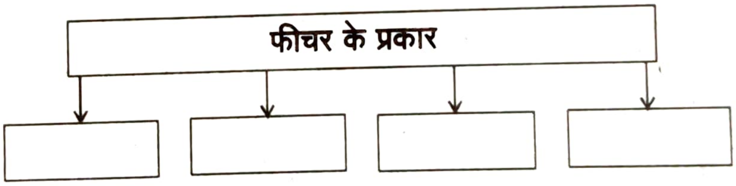

2. **उचित मिलान कीजिए ।** 2

'अ'	'आ'
1) व्यक्तिपरक	अ) भेंट
2) सूचनात्मक	आ) व्यक्तिगत
3) विवरणात्मक	इ) सूचना संबंधी
4) साक्षात्कार	ई) सविस्तर वर्णनवाला

3. 'बिना विचारे जो करे वो पीछे पछताए' इस उक्ति पर 40 से 50 शब्दों में अपने विचार प्रकट कीजिए । 2

आ) निम्नलिखित में से किसी एक का उत्तर 80 से 100 शब्दों में लिखिए । 4

1. 'उत्तम मंच संचालक बनने के लिए आवश्यक गुण विस्तार से लिखिए ।
2. 'लालच का फल बुरा होता है', उक्ति का विचार पल्लवन कीजिए ।

अथवा

(पिछे देखें)

सही विकल्प चुनकर वाक्य फिर से लिखिए ।

1. 'पल्लवन' का अर्थ –
   अ) विस्तार आ) कला इ) प्रश्नपत्र ई) भाषाशैली
2. 'आज बहुत आनंदित थी –
   अ) नंदिनी आ) स्नेहा इ) मिराँ ई) माँ
3. विद्यालय के प्रांगण में आयोजन किया गया था –
   अ) गांधी जयंती का आ) नेहरू जयंती का इ) खेल का ई) शास्त्री जयंती का
4. महात्मा गांधी का एकमात्र धर्म था –
   अ) दानवता आ) शत्रूता इ) नम्रता ई) मानवता

इ) अपठित गद्यांश पढ़कर कृतियाँ पूर्ण कीजिए । **6**

राजकुमार का घोड़ा बेदम हो गया था । संन्यासी ने मृग के मृत शरीर को कंधे पर ऐसे उठा लिया मानो घास का गठ्ठा हो । राजकुमार संन्यासी के पीछे चला । उसे संन्यासी के शारीरिक बल पर अचंभा हो रहा था । आधे घंटे तक दोनों चुपचाप चलते रहे । इसके बाद ढालू भूमि मिलनी शुरू हुई । वहीं कदंबकुंज की घनी छाया में, जहाँ सर्वदा मृगों की सभा सुशोभित रहती, नदी की तरंगों का मधुर स्वर सर्वदा सुनाई दिया करता, यहाँ हरियाली पर–मयूर थिरकता, कपोतादि पक्षी मस्त होकर झूमते, लता–द्रुमादि से सुशोभित संन्यासी की एक छोटी–सी कुटी थी । वह कुटी हरे –भरे वृक्षों के नीचे सरलता और संतोष का चित्र बना रही थी । राजकुमार की अवस्था वहाँ पहुँचते ही बदल गई । यहाँ की शीतल वायु का प्रभाव उस पर ऐसा पड़ा जैसा मुरझाते हुए वृक्षों पर वर्षा का । उसे आज विदित हुआ कि तृप्ति केवल कुछ स्वादिष्ट व्यंजनों पर ही निर्भर नहीं है और न निद्रा को सुनहरे तकियों की ही आवश्यकता है ।

1) आकृति पूर्ण कीजिए :

1) 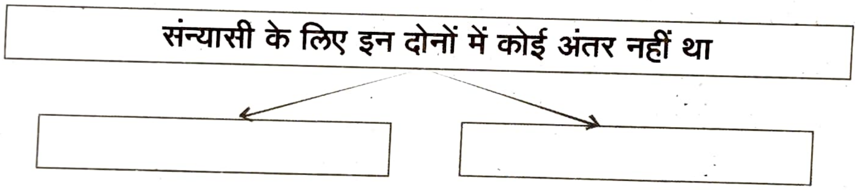

1

2) 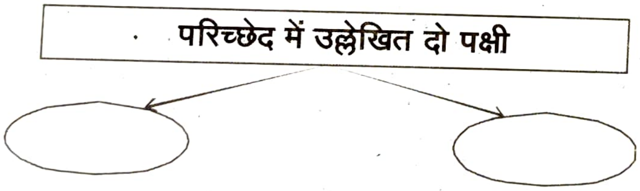

1

2) 1) निम्नलिखित शब्दों के विरूद्धार्थी शब्द लिखिए: 1

i) निद्रा x .... ii) संतोष x ....

2) निम्नलिखित शब्दों के लिंग बदलकर लिखिए : 1

i) मयूर – .... ii) संन्यासी – ....

3) 'वनों का महत्त्व' इस विषय पर अपने विचार 40 से 50 शब्दों में लिखिए : 1

ई) निम्नलिखित में से किन्ही चार के पारिभाषिक शब्द लिखिए : **4**

1) Enrolment - ....
2) Expert - ....
3) Apex Bank - ....
4) Invalid - ....
5) Record - ....
6) Speed - ....
7) Antiseptics - ....
8) Auxilliary Memory - ....

(पिछे देखो)

विभाग 5 : व्याकरण (10 अंक) 10

कृति 5 (अ) निम्नलिखित वाक्यों का कोष्टक में दी गई सूचना के अनुसार काल परिवर्तन कीजिए । (4 में से 2) 2

1. कैसा सवाल पूछते हैं आप भी? (पूर्ण वर्तमानकाल)
2. ट्रस्ट के सचिव ने मुझे एक लिफाफा दिया । (अपूर्ण वर्तमानकाल)
3. मैं किसी वृद्धाश्रम में जाना चाहती हूँ । (सामान्य भविष्यकाल)
4. पढ़-लिखकर नौकरी करने लगा । (पूर्ण भूतकाल)

आ) निम्न पंक्तियों में उद्धृत अलंकार पहचानकर उनके नाम लिखिए । (4 में से 2) 2

1. सिर फट गया उसका, मानो अरूण रंग का घड़ा ।
2. हनुमान की पूँछ में लगन न पाई आग ।
   लंका सगरी जल गई, गए निसाचर भाग ।
3. उदित उदय गिरि मंच पर, रघुवर बाल पतंग ।
   विकसे संत सरोज सब हरणे लोचन भृंग ।
4. हरि पद कोमल कमल से ।

इ) निम्न पंक्तियों में उद्धृत रस पहचानकर उसका नाम लिखिए । (4 में से 2) 2

1. उस काल मारे क्रोध के तन काँपने उनका लगा ।
   मानो हवा के जोर से सोता हुआ सागर जगा ।
2. मेरे तो गिरधर गोपाल, दूसरो न कोई ।
   जाके सिर मोर मुकुट, मेरो पति सोई ।
3. आँखें निकाल उड़ जाते, क्षण भर उड़कर आ जाते ।
   शव जीभ खींचके कौवे, चुभला – चुभलाकर खाते ।।
4. काहु न तखा सो चरित विसेरना । सो सरूप नृप कन्या देखा ।
   मर्कट बदन भयंकर देही । देखत हृदय क्रोध मा तेही ।
   जेहि दिसि बैठे नारद फूली । सो दिसी तेहि न विलोकी भूली ।
   पुनि-पुनि मुनि उकसहिं अकुलाहीं । देखि दसा हर गन मुसुकाहीं ।

ई) निम्नलिखित मुहावरों के अर्थ लिखकर उचित वाक्यों में प्रयोग कीजिए : (4 में से 2) 2

1. आँखे चार होना ।
2. हवाई किले बनाना ।
3. पोंगा होना ।
4. घोड़े बेचकर सोना ।

उ) निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके फिर से लिखिए : (4 में से 2) 2

1. हमें पुरानी – झर्झर रूढ़ियों को तोड़णा है ।
2. पाप के पास चार शस्त्रे है ।
3. मैं मेरा काम दूसरे से करवाता है ।
4. बैजू हाथों बाँधकर खड़े हो गया ।

* * * * *